भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 1440

जिसका उत्तर 10.02.2022 को दिया जाना है

भारतमाला परियोजना

1440. श्री अण्णासाहेब शंकर जोल्ले:

डॉ. उमेश जी. जाधव:

श्री प्रताप सिम्हा:

श्री कराडी सनगन्ना अमरप्पा:

श्री बी. वाई. राघवेन्द्र:

श्री तेजस्वी सूर्या:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार ने अब तक देश में भारतमाला परियोजना के उद्देश्यों को किस हद तक हासिल किया है;

(ख) क्या सरकार ने देश में सीमा और तटवर्ती सड़क नेटवर्क के सुदृढ़ीकरण के संबंध में उक्त योजना के प्रभाव का पता लगाने के लिए कोई अध्ययन किया है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या परिणाम रहे हैं तथा यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) देश, विशेषकर कर्नाटक में उक्त परियोजना की शुरूआत से अब तक इसके अंतर्गत किए गए बजटीय आवंटन और उसके उपयोग का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) भारतमाला परियोजना चरण-I के तहत विकसित की जाने वाली 10,000 किलोमीटर की शेष एनएचडीपी परियोजनाओं सहित 34,800 किलोमीटर की कुल लंबाई में से, लगभग 19,363 किलोमीटर की लंबाई की परियोजनाओं को जनवरी, 2022 तक सौंप दिया गया है।

(ख) और (ग) भू-सूचना विज्ञान इनपुट के साथ सभी जिलों के बीच माल ढुलाई का विस्तृत अध्ययन किया गया है। देश में बंदरगाहों और तटीय क्षेत्रों में माल ढुलाई की दक्षता में सुधार के

लिए बंदरगाह संपर्कता मार्गों के साथ-साथ निर्यात और आयात व्यापार को बढ़ावा देने के लिए सीमावर्ती और तटीय सड़कों के साथ बुनियादी ढांचे के विकास के लिए विभिन्न मार्गों की पहचान की गई है। अत: भारतमाला परियोजना चरण- I के तहत सीमावर्ती और अंतरराष्ट्रीय संपर्कता सड़कों के लगभग 2,000 किमी की कुल लंबाई और लगभग 2,000 किमी तटीय और बंदरगाह संपर्कता सड़कों का विकास किया जाना है।

(घ) अब तक, लगभग 6,00,255 करोड़ रुपये रुपये के वित्तीय निहितार्थ वाली लगभग 19,363 किलोमीटर की लंबाई वाली परियोजनाओं (कर्नाटक राज्य में 29,742 करोड़ रुपये की लागत वाली 1,060 किलोमीटर की लंबाई की परियोजनाओं सहित) को सौंपा गया है।

*****